



Review Article

# सार्वजनिक खनिज तेल उद्यमों में उपार्जनों का प्रवृत्ति विश्लेषण

डॉ. स्मिता कुमारी

ब्रह्मानंद कॉलेज कानपुर उत्तर प्रदेश

## Abstract

भारत की स्वतन्त्रता के पश्चात् सार्वजनिक उद्यमों का तीव्र गति से विकास हुआ। गाँवों को महत्वपूर्ण औद्योगिक नगरों में बदलता, देश की औद्योगिक संरचना को दृढ़ और विकसित करना, आर्थिक विकास के कार्यक्रमों को नई दिशाएँ प्रदान करना तथा देश को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग देना यह सब तीव्र गति के अन्तर्गत किया गया। लोक उद्यम सर्वेक्षण के अनुसार यह कहा गया है कि, "औद्योगिक इकाइयों द्वारा अधिकियों का सृजन और उनका उत्पादन उद्देश्यों के लिये प्रयोग ऐसा महत्वपूर्ण घटक है, जो किसी भी देश या समाज के आर्थिक एवं औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।"

Copyright©2018, डॉ. स्मिता कुमारी This is an open access article for the issue release and distributed under the NRJP Journals License, which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited.

## परिचय

सार्वजनिक उद्यम को इस देश की अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व सौंपा गया। यह उनका उत्तरदायित्व है कि पर्याप्त अधिक्य का सृजन करें, जिससे देश के आर्थिक विकास को गति मिल सके।"

वित्तीय दृष्टि से सार्वजनिक उद्यमों से यह आशा की जाती है कि वे अपने विकास एवं विस्तार कार्यक्रमों के लिये पर्याप्त मात्रा में आन्तरिक संसाधनों का सृजन करें।

सार्वजनिक उद्यमों को अध्ययन की दृष्टि से तीन वर्गों में बाँटा गया है।

(अ) ऐसे उद्यम जो अभी निर्माणाधीन अवस्था में है

(ब) ऐसे उद्यम जो राष्ट्र के लिये वस्तुओं का निर्माण कर रहे हैं। और

(स) ऐसे उद्यम जो सेवा प्रदान करने में कार्यरत हैं।

वर्तमान में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के महत्व में गिरावट आयी है।

वित्तीय वर्ष 2006-2007 सार्वजनिक उद्यमों की इकाइयाँ घाटे में चल रही है।

इस घाटे के पीछे एक महत्वपूर्ण शिकायत इन उद्यमों में उपार्जनों का कुशल प्रबन्ध न होना है जिसके लिये मैंने

"भारतीय सार्वजनिक खनिज तेल उद्यमों में उपार्जनों का प्रवृत्ति विश्लेषण" को विभिन्न रूपों में विश्लेषित करने का प्रयास किया है।

सामान्यतः सार्वजनिक उद्यमों का उद्देश्य निजी क्षेत्र की तरह अधिकाधिक लाभ उपार्जित करना नहीं होता, बल्कि ये ऐसी

सेवा एवं माल के उत्पादन में विशेष रूप से शामिल होते हैं।

जो लाभ की अपेक्षा सामाजिक हित के लिये महत्वपूर्ण हो।

**तालिका-4.1**  
**सार्वजनिक उद्यमों में वित्तीय निष्पादन की प्रवृत्ति**  
**(बीमा कम्पनियों को छोड़कर चालू उद्यम)**

	इकाइयों की संख्या	विनियुक्त पूंजी	कर-पूर्व कुल लाभ	कर-पूर्व शुद्ध लाभ	कर-पश्चात् शुद्ध लाभ	कुल विनियुक्त पूंजी पर प्रत्याय दर	कुल विनियुक्त पूंजी पर शुद्ध प्रत्याय दर
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7) = 4/3	(8)
1970-71	87	3,600	150	20	-3	4.0	-01
<b>छठी योजना</b>							
1980-81	168	18,207	1,418	19	-0.203	7.8	-1.1
1981-82	188	21,935	2,654	1,025	446	12.1	+1.1
1982-83	188	21,935	2,654	1,025	446	12.1	+2.0
1981-83	193	26,590	3,469	1,547	618	13.1	+0.8
1984-85	207	36,382	4,628	2,099	909	12.7	+2.5
<b>सातवी योजना</b>							
1985-86	211	42,965	5,287	2,173	1,172	12.3	+2.8
1986-87	214	51,835	6,521	3,101	1,771	12.6	+3.4
1987-88	220	55,617	6,521	3,353	2,030	12.5	+3.6
1988-90	233	84,760	10,622	5,293	3,789	12.5	+4.5
1990-91	236	1,02,089	11,102	3,501	2,272	10.9	+2.0
1991-92	237	1,17,991	13,675	4,003	2,355	11.6	+2.0
<b>आठवी योजना</b>							
1992-93	239	1,40,110	15,957	5,076	3,271	11.4	+2.3
1993-94	240	1,59,307	18,438	6,544	4,435	11.6	+2.8
1994-95	241	1,62,451	22,630	9,768	7,107	13.9	+4.4
1995-96	239	2,73,948	27,587	13,621	9,574	15.9	+5.5
1996-97	236	2,31,178	30,915	15,378	10,188	13.4	+4.4
<b>नौवी योजना</b>							
1997-98	236	2,49,855	37,206	19,216	13,582	14.9	+5.4
1998-99	235	2,65,093	39,727	19,702	13,203	15.0	+5.0
1999-2000	232	302,947	42,270	22,037	14,331	13.9	+4.7
2000-2001	234	331,372	48,767	24,967	15,653	14.7	+4.7
2001-2002	230	390,032	63,257	38,299	26,045	16.2	+6.7
<b>दसवी योजना</b>							
2002-03	227	4,17,931	73,374	49,831	32,399	17.7	7.8
2003-04	230	4,52,910	95,120	71,285	53,084	21.0	11.7
2004-05	227	5,04,826	1,08,494	86,063	65,429	21.5	13.0
2005-06	226	5,76,042	1,29,942	1,03,214	80,730	22.56	14.01
2006-07	224	6,67,253	1,53,950	1,23,435	1,00,230	23.00	15.00

नोट: कर-पूर्व कुल लाभ = (शुद्ध लाभ + ब्याज + अदा किया गया निगम कर )

कुल विनियुक्त पूंजी = (अचल परिसम्पत घटा मूल्यह्रास जमा चल पूंजी )

स्रोत:- भारत सरकार, लोक उद्यम सर्वेक्षण, (2006-2007)

तालिका 4.1 में कुल विनियोजित पूंजी कर पूर्व लाभ और करपश्चात् लाभ 1970-71 से दिया गया है सार्वजनिक उद्यमों में उपार्जनों का प्रवृत्ति विश्लेषण करने का प्रयास है। तदुपरान्त विशेष रूप से खनिज एवं तेल उद्यमों का 5 वर्षों के

आधार विश्लेषण प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है।

सर्वप्रथम 1970-71 में कर पूर्व कुल लाभ अर्थात् सकल लाभ लगभग 150 करोड़ रुपये था अर्थात् 3600 करोड़ रुपये की विनियुक्ति पूंजी पर 4 प्रतिशत था। कर पूर्व कुल लाभ में लगातार वृद्धि हुई है। 1981-82 से 1993-94 के दौरान यह लगभग 11 से 13 प्रतिशत के बीच में रहा।

**तालिका-4.2**  
**सार्वजनिक उद्यमों में उपार्जनों में लाभदायकता का विश्लेषण**  
**(राशि करोड़ रुपये में)**

वर्ष	उद्यमों की संख्या	विनियोजित पूंजी	सकल लाभ	कर पूर्व लाभ	कर पश्चात् लाभ
1995-96	239	1,3948	27,587	13,621	9,574
1996-97	236	2,31,178	30,915	15,378	10,188
1997-98	236	2,49,855	37,206	19,216	13,582
1998-99	235	2,65,093	39,727	19,702	13,203
1999-00	232	3,30,821	48,768	24,966	15,653
2001-02	230	3,90,032	63,257	38,299	26,045
2002-03	227	4,17,931	73,374	49,831	32,399
2004-05	227	5,04,826	1,03,491	86,063	65,429
2005-6	226	5,76,042	1,29,942	1,03,214	80,730
2006-07	224	6,67,253	1,53,950	1,23,435	1,00,230

स्रोत:- भारत सरकार, लोक उद्यम सर्वेक्षण 2006-07।

#### सार्वजनिक उद्यमों में लाभदायकता का विश्लेषण एवं मूल्यांकन

वित्तीय वर्ष 1995-96 में सार्वजनिक उद्यमों की संख्या 239 तथा इनमें विनियोजित पूंजी 1,73,948 करोड़ रुपये थी। सकल लाभ 25,587 करोड़ रुपये, कर पूर्व लाभ 13,621 करोड़ रुपये, कर पश्चात् लाभ 9,574 करोड़ रुपये था।

वित्तीय वर्ष 1996-97 में सार्वजनिक उद्यमों की संख्या 236 तथा इसमें विनियोजित पूंजी 2,31,178 करोड़ रुपये थी। इस वर्ष सकल लाभ 30,915 करोड़ रुपये, कर पूर्व लाभ 15,378 रुपये, तथा कर पश्चात लाभ 10,188 करोड़ रुपये हो गया। वित्तीय वर्ष 1997-98 में सार्वजनिक उद्यमों की संख्या 236 तथा इसमें विनियोजित पूंजी 2,49,855 करोड़ रुपये थी। इस वर्ष का सकल लाभ 37,206 करोड़ रुपये, कर पूर्व लाभ

19216 करोड़ रुपये, कर पश्चात् लाभ 13582 करोड़ रुपये था।

वित्तीय वर्ष 1998-99 में सार्वजनिक उद्यमों की संख्या 235 तथा इसमें विनियोजित पूँजी 2,65,093 करोड़ रुपये थी। इस वर्ष का सकल लाभ 39,727 करोड़ रुपये, करपूर्व लाभ 19,702 करोड़ रुपये, कर पश्चात् लाभ 13,203 करोड़ रुपये था।

वित्तीय वर्ष 1999-2000 सार्वजनिक उद्यमों की संख्या 232 तथा इनमें विनियोजित पूँजी 3,02,947 करोड़ रुपये थी। वर्ष का सकल लाभ 42,270 करोड़ रुपये, कर पूर्व लाभ 22,037 करोड़ रुपये, कर पश्चात् लाभ 14,331 रुपये था।

वित्तीय वर्ष 2000-01 में सार्वजनिक उद्यमों की संख्या 234 तथा इसमें विनियोजित पूँजी 3,30,821 करोड़ रुपये थी। इस वर्ष का सकल लाभ 48,768 करोड़ रुपये, कर पूर्व लाभ 24,966 करोड़ रुपये, कर पश्चात् लाभ 15,653 करोड़ रुपये था।

वित्तीय वर्ष 2001-02 में सार्वजनिक उद्यमों की संख्या 230 तथा इसमें विनियोजित पूँजी, 3,90,032 करोड़ रुपये थी। वर्ष का सकल लाभ 62,257 करोड़ रुपये, कर पूर्व लाभ 38,299 करोड़ रुपये कर पश्चात् लाभ 26,045 करोड़ रुपये था।

वित्तीय वर्ष 2002-03 में सार्वजनिक उद्यमों की संख्या 227 तथा इसमें विनियोजित पूँजी 4,17,931 करोड़ रुपये थी। वर्ष का सकल लाभ 73,374 करोड़ रुपये, कर पूर्व लाभ 49,831 करोड़ रुपये, कर पश्चात् लाभ 32,399 करोड़ रुपये था।

वित्तीय वर्ष 2003-04 में सार्वजनिक उद्यमों की संख्या 230 तथा इसमें विनियोजित पूँजी 4,52,910 करोड़ रुपये थी। इस वर्ष का सकल लाभ 95120 करोड़ रुपये था।

वित्तीय वर्ष 2004-05 में सार्वजनिक उद्यमों की संख्या 227 तथा इसमें विनियोजित पूँजी 5,04,826 करोड़ रुपये थी।

इस वर्ष का सकल लाभ 1,08,491 करोड़ रुपये, कर पूर्व लाभ 86,063 करोड़ रुपये, कर पश्चात् लाभ 65,429 करोड़ रुपये था।

वित्तीय वर्ष 2005-06 में सार्वजनिक उद्यमों की संख्या 226 तथा इसमें विनियोजित पूँजी 5,ख76,042 करोड़ रुपये थी।

इस वर्ष का सकल लाभ 1,29,942 करोड़ रुपये कर पूर्व लाभ 1,03,214 करोड़ रुपये, कर पश्चात् लाभ 80,730 करोड़ रुपये था।

वित्तीय वर्ष 2006-07 में सार्वजनिक उद्यमों की संख्या 224 तथा इसमें विनियोजित पूँजी 6,67,253 करोड़ रुपये थी। इस वर्ष का सकल लाभ 1,53,950 करोड़ रुपये, कर पूर्व लाभ 1,23,435 करोड़ रुपये, कर पश्चात् लाभ 1,00,230 करोड़ रुपये था।

इस प्रकार सार्वजनिक उद्यमों में लाभदायकता के विश्लेषण के बाद कहा जा सकता है, कि वर्ष 2006-07 में 1995-96 की तुलना में सार्वजनिक उद्यमों की संख्या में कमी आयी है।

अर्थात् उनकी संख्या घटकर 224 रही गयी।

जब कि 1995-96 में विनियोजित पूँजी 1,73,948 करोड़ रुपये से बढ़कर 6,67,253 करोड़ रुपये ही हो गयी तथा शुद्ध लाभ 9,574 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,00,230 करोड़ रुपये हो गया।

**तालिका संख्या 4.3**  
**सार्वजनिक उद्यमों में विनियोजित पूँजी पर लाभ घटकों की प्रवृत्ति**

वर्ष	विनियोजित पूँजी दर सकल लाभ का प्रतिशत	विनियोजित पूँजी पर कर पश्चात लाभ का प्रतिशत
1995-96	15.9	5.5
1996-97	13.4	4.4
1997-98	14.9	5.4
1998-99	15.0	5.0
1999-00	13.9	4.7
2000-01	14.7	4.7
2001-02	16.2	6.7
2002-03	17.7	7.8
2003-04	21.0	11.7
2004-05	21.5	13.0
2005-06	22.5	14.01
2006-07	23.00	15.00

स्रोत— भारत सरकार, लोक उद्यम सर्वेक्षण 2006-07

वित्तीय वर्ष 1995-96 में विनियोजित पूँजी पर सकल लाभ 15.9 प्रतिशत, कर पश्चात् लाभ का प्रतिशत 5.5 रहा।

वित्तीय वर्ष 1996-97 में विनियोजित पूँजी पर सकल लाभ का प्रतिशत 13.4, कर पश्चात् लाभ का प्रतिशत 4.40 रहा।

वित्तीय वर्ष 1997-98 में विनियोजित पूँजी पर सकल लाभ का प्रतिशत 15.00, कर पश्चात् लाभ का प्रतिशत 5.00 रहा।

वित्तीय वर्ष 1999-2000 में विनियोजित पूँजी पर सकल लाभ का प्रतिशत 13.9, कर पश्चात का 4.7 रहा।

वित्तीय वर्ष 2000-01 में विनियोजित पूँजी पर सकल लाभ का प्रतिशत 14.7 प्रतिशत, कर पश्चात लाभ का प्रतिशत 4.7 प्रतिशत रहा। वित्तीय वर्ष 2001-02 में विनियोजित पूँजी पर सकल लाभ का प्रतिशत 16.2 तथा कर पश्चात लाभ का प्रतिशत 6.7 रहा।

वित्तीय वर्ष 2002-03 में विनियोजित पूँजी पर सकल लाभ का प्रतिशत 17.7 कर पश्चात् लाभ का प्रतिशत 7.8 रहा।

वित्तीय वर्ष 2003-04 में विनियोजित पूँजी पर सकल लाभ का प्रतिशत 21.00 प्रतिशत, कर पश्चात् लाभ का प्रतिशत 11.7 रहा।

वित्तीय वर्ष 2004-05 में विनियोजित पूँजी पर सकल लाभ का प्रतिशत 21.5, कर पश्चात लाभ प्रतिशत 13.00 प्रतिशत रहा।

वित्तीय वर्ष 2005-06 में विनियोजित पूँजी पर सकल लाभ का प्रतिशत 22.56, कर पश्चात लाभ प्रतिशत 14.01 प्रतिशत रहा। वित्तीय वर्ष 2006-07 में विनियोजित पूँजी पर सकल लाभ का प्रतिशत 23.00, कर पश्चात लाभ प्रतिशत 15.00 प्रतिशत रहा।

1. High-resolution video data was provided by the office of Senator Bill Nelson and by the Senate Committee on Environment and Public Works. 2. T. J. Crone, R. E. McDuff, W. S. D. Wilcock, Exp. Fluids 45, 899 (2008)

2. . We analyzed original data from the laboratory experiments to obtain this correction factor.
3. A full discussion of all uncertainties is available as supporting material on Science Online.
4. [www.energy.gov/open/oilspilldata.htm](http://www.energy.gov/open/oilspilldata.htm) 8.
5. This research was supported by the Lamont–Doherty Earth Observatory and by NSF under grants 0623285 and 0917955.